भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

20 जुलाई, 2015

28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदी स्मृति सप्ताह मनाने पार्टी कतारों व जनता का आह्वान

आगामी 28 जुलाई से 3 अगस्त तक गांव–गांव में शहीद स्मृति सप्ताह जोर–शोर से मनाने व शहीद योद्धाओं की बोल्शेविक स्फूर्ति को अपनाकर क्रांतिकारी आन्दोलन को आगे बढ़ाने में आखिरी सांस तक डटे रहने दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी पार्टी कतारों, पीएलजीए, क्रांतिकारी जनताना सरकारों, जन संगठनों व क्रांतिकारी जनता का आह्वान करती है। शहीद स्मृति सप्ताह के इस मौके पर सबसे पहले हमारी पार्टी के संस्थापक व भारत की क्रांति के महान नेताओं–कॉमरेड़ चारु मजुमदार एवं कॉमरेड़ कन्हाई चटर्जी को सिर झुकाकर विनम्रतापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करती है। नक्सलबाड़ी किसान सशस्त्र संघर्ष के समय से लेकर आज तक हमारे देश की नवजनवादी क्रांति को सफल बनाने के लक्ष्य से जारी क्रांतिकारी जनयुद्ध में पंद्रह हजार से भी ज्यादा इस देश की उत्तम संतानों–पार्टी, पीएलजीए, क्रांतिकारी जनताना सरकारों, जन संगठनों के नेताओं, कार्यकर्ताओं व क्रांतिकारी जनता जिनमें युवक–युवतियों, मजदूर–किसानों, छात्र–बुद्धिजीवी शामिल हैं, ने अपने प्राणों की आहुति दी। इस क्रम में दण्डकारण्य एवं देश भर में पिछले सालभर में कई कॉमरेडों ने जनता के लिए अपनी जानें दीं।

केंद्र व राज्य में सत्तासीन ब्राह्मणीय हिन्दुत्व फासीवादी भाजपा सरकारों ने क्रांतिकारी आन्दोलन के सफाये के उन्मादी उद्देश्य से 2009 से जारी फासीवादी सैनिक दमन अभियान–ग्रीनहंट को अभूतपूर्व ढ़ंग से तेज किया है। इसके तहत जारी मुठभेड़ों, झूठी मुठभेड़ों, फर्जी सुधार योजनाओं, सिविक एक्शन प्रोग्राम, आत्मसमर्पण, गद्दारी व भीतरघात आदि नीच व घृणित कोशिशों को परास्त करने के लक्ष्य से विगत एक साल में पीएलजीए ने कसालपाड, पिडिमेल, मर्सुकोला, बांदे, पखांजूर, कल्लेडा, मूसपर्सी, छोटे बेठिया, बासिंग के अलावा और भी कइयों जगह सरकारी सशस्त्र बलों पर जबर्दस्त हमलें करके पार्टी, क्रांतिकारी जनताना सरकारों व क्रांतिकारी आन्दोलन की रक्षा की।

इन कार्यनीतिक प्रत्याक्रमण हमलों व मुठभेड़ों में पुलिस, कमांडो व अर्ध सैनिक बलों के साथ हिम्मत व साहस के साथ आमने–सामने लड़ते हुए पश्चिम बस्तर में कंपनी–दो के कमांडर कॉ. मासाल व कंपनी सदस्य कॉ. केशाल, एसीएम कॉ. बुदरी, कॉ. राकेश, एवं पार्टी सदस्याएं कॉ. रामबत्ति, कॉ. जमली, कॉ. लक्ष्मी, कॉ. सोड़ी लालु, कॉ. कलमु लक्ष्मी एवं मिलीशिया कॉ. ताति सुक्कु; दक्षिण बस्तर में सेक्शन डिप्टी कमंडर कॉ. पोडियामी विज्जा, पार्टी सदस्या कॉ. सोड़ी देवे, मिलिशिया सदस्य कॉ. माड़वी हंदा व ओडि मासा; आरकेबी में एसीएम कॉ. सुनिल एवं कॉ. विकास; उत्तर बस्तर में एसीएम कॉ. जमली, कॉ. सुकोती; माड में पार्टी सदस्य कॉ. दसरु, कॉ. जोगाल; महाराष्ट्र में एसीएम कॉ. कृष्णा, कॉ. सोनु; एओबी में डीवीसीएम कॉ. शरत एवं एक मिलीशिया सदस्य; तेलंगाना में पार्टी सदस्य कॉ. विवेक, कॉ. कोर्राम जोगी, कॉ. देवी; फर्जी मुठभेड़ों में पूर्व बस्तर में पीपीसीएम कॉ. धर्मु, मिलीशिया सदस्य कॉ. जलकु, उत्तर बस्तर में एसीएम कॉ. फूलसिंह; दक्षिण बस्तर में डोड्डा भीमा व मुचाकी रामा; पश्चिम बस्तर में मिलीशिया सदस्य कॉ. मिच्चा मनोज, जन संगठन सदस्य कॉ. कोरसा आयतु, झारखण्ड में 12 कॉमरेड शहीद हुए हैं। बीमारी से पार्टी सदस्या कॉ. मीना; दुर्घटना में पीएम आवलम पोदिया; सौनिक दुर्घटनाओं में कॉ. पूनेम मेंगनाथ व कॉ. माडवी विकास, एवं सदस्य कॉ. जीराल, कॉ. विज्जाल, मिलीशिया सदस्य कॉ. जिला, जीपीसी सदस्य कॉ. कारम मंगु; गांवों पर हमलों में भूमकाल मिलीशिया सदस्य कॉ. कारम आयतु, कॉ. हेमला बदरु शहीद हुए हैं। इनके अलावा और भी कई कॉमरेडों ने जनयुद्ध में अपनी जानें दी। कॉ. जमली, रामबत्ती व लक्ष्मी के साथ घायल अवस्था में अत्याचार करके उनकी निर्मम हत्या की गयी। इन तमाम कॉमरेडों को प्रत्येक के नाम पर स्पेशल जोनल कमेटी लाल–लाल सलाम पेश करती है। इन शहीदों के मां–बाप, भाई–बहनों, बंधु–मित्रों के प्रति सहानुभूति व सांत्वना प्रकट करती है एवं उन्हें ढांढस बंधाती है। यह ऐलान करती है कि पार्टी व क्रांतिकारी आन्दोलन उनके हर सुख–दुख में साथ हैं।

पुलिस, अर्ध सैनिक बलों द्वारा हमारे प्यारे शहीद साथियों के शवों के साथ अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है। खासकर महिला कॉमरेडों के शवों के साथ वे असभ्य, अश्लील, घोर आपत्तिजनक, घृणित व नीच हरकतें कर रहे हैं। शवों की नग्न तस्वीरों को इंटरनेट में रखकर सरकारी सशस्त्र बल अपनी ओछी मानसिकता व पाशविक चरित्र का परिचय दे रहे हैं जो कि निंदनीय है और जिसका सभी स्तरों पर हर संभव विरोध करना चाहिए।

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी तमाम पार्टी कतारों का आह्वान करती है कि वे 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीदों की याद में गांव–गांव में यादगार सभाओं का आयोजन करें, स्मारकों का रंग–रोगन करें, नये स्मारकों

का निर्माण करें एवं पर्चा, पोस्टर, पुस्तिकाओं, गीतों, नाटकों के माध्यम से हमारे प्यारे शहीदों की जीवनियों, उनके बलिदानों, आदर्शों व मूल्यों के बारे में जनता के बीच में व्यापक रूप से प्रचार करें।
(विशेष सूचनाः शहीद स्मृति सप्ताह के दौरान बंद का आयोजन नहीं होगा।)

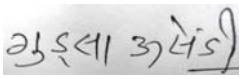

(गुड्सा उसेण्डी)

प्रवक्ता,

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)